

नन्द नन्दन प्यारे आओ मीठी मुरली आके सुनाओ  
प्यासी आंखे हैं मेरी छबि देखूंगी तेरी—मीठी ...॥

तेरे सिवाय मेरे प्राण रो रहे रो रहे  
दुख दर्द के बीज को बो रहे बो रहे  
एक आधार तेरा, और कौन है मेरा  
इतना न मुझे तड़पाओ ॥१॥

तेरी मोहनी मूरति मन भाई है भाई है  
तेरी नटवर छबि नैन छाई है छाई है  
होय बांवरी फिरूं रोय रोय के गिरूं  
मोहि आके धीरज धराओ ॥२॥

दधि बेचन के लिए मैं जाय रही जाय रही  
मग रोकन की तेरी यादि आइ रही आइ रही  
भूला दधि का है नाम, कहूं प्यारे प्यारे श्याम  
वेगि आके मटकी गिराओ ॥३॥

क्यों आते न कुंवर कन्हाई हो कन्हाई हो  
क्यों हमरी सुरति भुलाई हो भुलाई हो  
दया जीय में धरो कृपा कोर सी करा  
वेगि आके नैन जुड़ाओ ॥४॥